



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 18]

नई दिल्ली, शनिवार, मई 5, 1979 (वैशाख 15, 1901)

No 18]

NEW DELHI, SATURDAY, MAY 5, 1979 (VAISHAKH 15, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

विषय-सूची

भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और मकल्यों में सम्बन्धित अधिसूचनाएं	पृष्ठ 341	बारी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)	पृष्ठ 1185
भाग I—खंड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	553	भाग II—खंड 3—उपखंड (ii)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं	1377
भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	—	भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश	161
भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	371	भाग III—खंड 1—महालेखापरीक्षक, संघ लोक-सेवायोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के अधीन तथा संलग्न कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	3395
भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	—	भाग III—खंड 2—एकस्य कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिस	269
भाग II—खंड 2—विधेयक और विधेयकों संबंधी प्रश्न समितियों की रिपोर्टें	—	भाग III—खंड 3—मुख्य प्रायुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं	35
भाग II—खंड 3—उपखंड (i)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और	—	भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विधिक अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	1263
		भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस	57

CONTENTS

PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	34 1	(other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	1185
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	553	PART II—SECTION 3.—SUB. SEC. (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	1371
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations Orders, and Resolutions issued by the Ministry of Defence	—	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence ..	161
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence ..	371	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Attorney General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India ..	3395
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations	—	PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta ..	269
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills	—	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	35
PART II—SECTION 3.—SUB. SEC. (i).—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India ..	—	PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	1263
		PART IV.—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies	57

भाग I—खण्ड 1

PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर निधियों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिलेखनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 अप्रैल, 1979

सं० 18-प्रेक्ष/79—राष्ट्रपति आन्ध्र प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकाारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री रामदेव सिंह, (स्वर्गीय)

ग्राम नायक,

निबमागर डी० ई० एफ०,

जोरहाट,

आन्ध्र प्रदेश।

सेवास्यो का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया—

7 अगस्त, 1977 की मेरगाती बाह्य चौकी पर सूचना मिली कि लगभग 100 उग्रवादी दल/लाठियों और बन्दूकों से लैस होकर भोलाघाट थाने के दिवोगनाडि गांव को गए और कुछ मकानों को आग लगा दी थी। बाह्य चौकी का प्रभारी पांच पुलिस कर्मचारियों के साथ तुरन्त भाग को गया। ग्राम नायक रामदेव सिंह भी उस पुलिस दल के साथ सहायक थे। पुलिस दल ने घटना की जांच की और जब लौटते ही वाला बाह्य चौकी उग्रवादियों ने गांव का हथियारों से लैस थे और संख्या में लगभग 100 से उसे ले लिया। पुलिस दल ने उग्रवादियों का कोई सदृश न करार और गांव में बंद जाने का निर्देश दिया पर उन्होंने पुलिस दल पर आग चला दी और श्री रामदेव सिंह उसमें मारा गया। घायल होने के बावजूद उसने आत्मरक्षा से अपनी रक्षा में गोली चलाई और इस प्रकार हथियारों का निरन्तर चलाव करने में सफल हुए। बाद में श्री रामदेव सिंह घातों के कारण बाह्य चौकी को लौटते समय मार्ग में वीरगति को प्राप्त हुए।

इस मुठभेड़ में श्री रामदेव सिंह ने पाठन और उच्च भाटि की कतव्य-परायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भना भी दिनांक 8 अगस्त, 1977 में दिया गया।

सं० 19-प्रेक्ष/79—राष्ट्रपति कर्नाटक रेलवे पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री देवांग चन्द्रशेखर बालावी

(स्वर्गीय)

उप-निरीक्षक,

रेलवे पुलिस

हुबली,

कर्नाटक।

सेवास्यो का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

8 जनवरी, 1977 को एक सूटकेस की चोरी की सूचना श्री देवांग चन्द्रशेखर बालावी और एक अन्य उप-निरीक्षक श्री के० एस० श्री को दी गई थी। वे हुबली रेलवे स्टेशन पर गाड़ियों की जांच-पड़ताल कर रहे थे और उन्होंने संश्लेष परिस्थितियों में घूमते हुए एक व्यक्ति को पकड़ा जिसके कब्जे में चोरी किया गया सूटकेस पाया गया। जब श्री बालावी उसको रेलवे पुलिस थाने में ले जा रहे थे तो अपराधी लगभग 9.10 बजे अपराधी ने अचानक चाकू निकाल लिया और श्री बालावी के पेट और बाएं कंधे में घोंप दिया। इस अचानक हमले के बावजूद भी श्री बालावी अपराधी को पकड़े रहे और जल्दी ही उसे रेलवे पुलिस थाने में ले जाने की कोशिश की। धंदे एवं अत्यधिक रक्त स्राव के कारण वे लड़खड़ाते लगे जिससे बालावी अपने आप को इनको पकड़ में भुक्त करके भाग निकला। बाद में श्री बालावी की अस्पताल में घावों के कारण मृत्यु हो गई।

श्री देवांग चन्द्रशेखर बालावी ने अपराधी को पकड़ने में कर्तव्य परायणता का परिचय दिया और कर्तव्य पालन करते हुए अपना जीवन बलिदान कर दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भना भी दिनांक 8 जनवरी, 1977 में दिया जाएगा।

सं० 20-प्रेक्ष/79—राष्ट्रपति पश्चिम बंगाल पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री प्रणब कुमार अण,

पुलिस उप निरीक्षक,

पुर्लिया,

पश्चिम बंगाल।

सेवास्यो का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

3. सितम्बर, 1976 को श्री प्रणब कुमार अण को जो जिला पुर्लिया में बालीटोरा थाने के प्रभारी अधिकारी थे, गुप्त सूचना मिली कि एक कुख्यात गन्धर्वी रेलवे गैंग ने बाला डाकू व हत्याग, जिन चार ने थाना हीरापुर के अन्तर्गत ग्राम पत्रमोहना जिला बंगाल में एक मकान में शरण ले रखी है। उप-निरीक्षक पुलिस दल के साथ गांव में गए तथा बस भागने के सभी मार्गों का रोक दिया। पुलिस दल की मौजूदगी के बारे में सांभल होने पर कुख्यात डाकू शिव चार तथा उनके साथियों ने एक झोपड़ी में आग लगाकर तथा पुलिस दल पर भी गोलीबारी करके भागने की कोशिश की। गोलीबारी के परिणामस्वरूप एक कांस्टेबल की माह में गोली लगने से घात आई तथा एक ग्रामवासी भी गोली से घायल हो गया। उप-निरीक्षक की बार-बार चेतावनियों के बावजूद भी डाकू बचने की चेष्टा में गोलीबारी करने लगे। पुलिस ने आत्मरक्षा के लिए जवाब में गोली चलाई तथा श्री अण ने अपनी रिवाइवर से स्वयं चार रोड चलाये तथा उनके कांस्टेबलों द्वारा भी दो रोड चलाये गए। बरमाशों में से एक घायल हो गया जिसे श्री अण ने पाइप गन के साथ पकड़ लिया गया। शिवचार समेत अन्य बदमाश घायल होने पर भी बचकर भाग निकले। उनके द्वारा जलायी गयी झोपड़ी की तलाश सेने पर पाइप गन भी बरामद की गई।

इस मुठभेड़ में श्री प्रणय कुमार शर्मा ने कर्तव्य परायणता की सच्ची भावना तथा साहस का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 3 सितम्बर, 1976 से दिया जाएगा।

सं० 21-प्रेज/79—राष्ट्रपति गुजरात पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री दीलत गरबद पाटिल,
अशस्त्र पुलिस कांस्टेबल,
बदोदरा सिटी,
गुजरात।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

12 फरवरी, 1976 की रात्रि को कोर्टेबल दीलत गरबद पाटिल को अन्य कांस्टेबल के साथ रात्रि गश्ती ड्यूटी पर नियुक्त किया गया था। रात के लगभग 2 बजे उन्होंने एक व्यक्ति को सविनय परिस्थितियों में घूमते हुए देखा और उसे आवाज दी किन्तु अजनबी ने भागने का प्रयत्न किया। श्री दीलत ने अपनी राइफल पर उसका पीछा किया और दूसरे सिपाही ने एक अन्य मार्ग से जाकर उसके बच कर भाग निकलने को रोकने का प्रयत्न किया। श्री दीलत ने अजनबी को पकड़ लिया और उसे वश में करने का प्रयत्न किया किन्तु उसने एक लम्बा तेज छुरा निकाला और कांस्टेबल दीलत के पेट में भोंक दिया। उसने अपनी पकड़ ढीली नहीं की और सहायता के लिए पुकारा जिसपर दूसरा सिपाही नातुभाई और उस क्षेत्र के कुछ निवासी उसकी सहायता के लिए दौड़े। कांस्टेबल नातुभाई को भी हाथापाई में कुछ चोटें आईं। कांस्टेबल दीलत को शीघ्र अस्पताल में ले जाया गया। जहाँ उसका 3 1/2 घण्टे तक एक आपातकालीन आपरेशन किया गया और उसका जीवन बचा लिया गया। पूछताछ करने पर मालूम हुआ कि आक्रमणकारी अन्य कोई नहीं बल्कि एक खतरनाक अपराधी था जिस पर डकैती, संधमारी, चोरियाँ और कानूनी हिरासत से बच कर भाग निकलने आदि के पहले 15 अभियोग थे।

कांस्टेबल दीलत गरबद पाटिल ने अपने जीवन को अतरे के बावजूद कर्तव्य के प्रति अनुकरणीय निष्ठा का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 3 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 12 फरवरी, 1976 से दिया जाएगा।

सं० 22-प्रेज/79—राष्ट्रपति मणिपुर पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री एन० नातुम सिंह,
पुलिस उप-निरीक्षक,
प्रभारी अधिकारी,
बाईकयोग पुलिस थाना,
केन्द्रीय जिला,
मणिपुर।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

बाईकयोग के थाना प्रभारी अधिकारी श्री एन० नातुम सिंह को विश्वमनीय सूचना प्राप्त हुई कि बर्मा जाते हुए कुछ विरोधियों की उनके क्षेत्र से गुजरने की सम्भावना है। वे सादे कपड़ों में विभिन्न जनजातियों के गाँवों में विषम समय में गए ताकि विरोधियों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकें। 25-7-77 को लगभग 5.00 बजे सांय जब श्री नातुम सिंह स्कूटर पर पगलतबी गाँव से थाने लौट रहे थे तो उन्होंने तीन जनजातीय युवकों को मन्त्रेहास्पद स्थितियों में देखा। उन्होंने शीघ्र तीनों युवकों को ललकारा। अपराधियों में से एक ने उप-निरीक्षक

पर शीघ्र गोली चलाई। श्री नातुम सिंह ने सूझ-बूझ के कारण अपने को बचा लिया तथा मोर्चा संभाला तथा जबकी गोली चलाई। वे अपराधियों में से एक की टांग में गोली मार कर उसे घायल करने में सफल हो गए। यह देख कर अन्य दो अपराधी भाग गए। वे घायल अपराधी पर अष्टों और 15 गोलियों सहित एक .45 रिवाल्वर उमसे छीन लिया।

श्री एन० नातुम सिंह ने विशिष्ट शौर्य का परिचय दिया तथा भारी व्यक्तिगत जोखिम उठाकर अभियुक्त को पकड़ कर उसके हथियार को जबरन कर लिया और अन्य पुलिस अधिकारियों के लिए एक उच्च उदाहरण स्थापित किया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 25 जलाई, 1977 से दिया जाएगा।

श्रीम राज गुप्तः
राष्ट्रपति के उप-सचिव

शिक्षा समाज कल्याण मंत्रालय

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 10 नवम्बर 1978

सकल्प

विषय :—तरक्की-ए-उर्दू बोर्ड का गठन।

सं० एफ० 15-43/77-ईस्क-III (भाषा)—1. तरक्की-ए-उर्दू बोर्ड की स्थापना एक केन्द्रीय बोर्ड के रूप में 1969 में सरकारी सकल्प संख्या एफ० 6-41/69 आई०एल०-II द्वारा की गई थी। बोर्ड का स्थाई केन्द्रीय सलाहकार बोर्ड के रूप में पुनर्गठन सरकारी सकल्प संख्या एफ० 15-46/73-एल I दिनांक 3 जनवरी 1974 द्वारा किया गया था। बोर्ड को काम करने हुए अब तक 9 वर्ष से अधिक हो चुका है। प्राप्त अनुभव की ध्यान में रखते हुए तथा अ य भाषा संस्थाओं की तरह सरकार उपरोक्त दो सकल्पों को रद्द करते हुए एतद् द्वारा स्थाई केन्द्रीय सलाहकार बोर्ड का पुनर्गठन करनी है। यह बोर्ड तरक्की उर्दू बोर्ड ही कहलाता रहेगा।

2. उद्देश्य : क्योंकि आर्थिक अथवा सामाजिक प्रगति के लिए यह आवश्यक है कि ज्ञान जैसा कि आज है लोगों को उनकी अपनी भाषा में उपलब्ध कराया जाए इस लिए बोर्ड से यह अपेक्षा की जायेगी कि वह उर्दू जानने वाले लोगों को वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी संबंधी मामलों की जानकारी तथा साथ ही साथ आधुनिक संघर्ष में विकसित विचारों का ज्ञान उपलब्ध कराने से संबंधित सर्वात्मि तरीकों के बारे में सरकार को सलाह दे।

बोर्ड में अन्य सदस्यों के साथ-साथ उर्दू के विख्यात विद्वानों को भी शामिल किया जाएगा ? सरकार द्वारा बोर्ड में उनकी उपस्थिति का लाभ ऐसे शैक्षणिक मामलों में बोर्ड की सलाह लेने के लिए उठाया जाएगा जो इसे भेजे जाएंगे।

3 कार्य :- बोर्ड के कार्य निम्नलिखित होंगे।

(क) इन बातों में सरकार को सलाह देना।

(i) विज्ञान तथा आधुनिक ज्ञान की अन्य शाखाओं वाच साहित्य संदर्भ पुस्तकों विषयकोषों बुनियाती पाठ्य सामग्री आदि सहित शैक्षणिक तथा अन्य प्रकार के साहित्य का उर्दू में निर्माण।

(ii) उर्दू की तरक्की से संबंधित ऐसी शैक्षणिक मामलों जो इसे भेजे जाएं तथा

(ख) उर्दू की तरक्की के लिए अन्य ऐसे कार्य करना जो समय समय पर सरकार द्वारा उसे सौंपे जाएं।

गठन :—तरक्की उर्दू बोर्ड में निम्नलिखित शामिल होंगे :—

(i) अध्यक्ष राज्य मंत्री
शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्री
पदेन

(ii) उपाध्यक्ष भारत सरकार द्वारा नामित किया जाएगा।

- (iii) विभिन्न विषय संकायों के छः उर्बू विद्वान ।
- (iv) उर्बू भाषा तथा साहित्य के दो विद्वान ।
- (v) उर्बू में बाल साहित्य का एक विद्वान ।
- (vi) अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा मनोनीत व्यक्ति ।
- (vii) निदेशक राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान तथा प्रशिक्षण परिषद् ।
- (viii) सलाहकार, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग ।
- (ix) महानिदेशक वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् द्वारा मनोनीत व्यक्ति (उप सचिव के पद से कम नहीं) ।
- (x) वित्तीय सलाहकार ।
- (xi) उन राज्यों की सरकारों के दो प्रतिनिधि जहाँ काफी लम्बा समय उर्बू बोली जाती है । भारत सरकार द्वारा बारी बारी से चुने जाएंगे ।
- (xii) निदेशक केन्द्रीय भाषा संस्थान ।
- (xiii) सयुक्त शिक्षा सलाहकार (भाषा) ।
- (xiv) निदेशक/उप सचिव/उप शिक्षा सलाहकार (भाषाएँ) सदस्य सचिव बोर्ड के सदस्यों का कार्य काल दो वर्षों का होगा ।

बोर्ड के उपाध्यक्ष तथा सदस्य सरकार द्वारा नामजद किए जाएंगे ।

सलाहकार, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग निदेशक राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान तथा प्रशिक्षण परिषद्, अध्यक्ष विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा नामजद व्यक्ति, निदेशक केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान तथा महानिदेशक, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् द्वारा नामजद व्यक्ति बोर्ड के पदेन सदस्य होंगे ।

पदेन-सदस्य तब तक सदस्यों के रूप में बने रहेंगे जब तक कि वे उन पद पर रहते हैं जिसके आधार पर वे बोर्ड के सदस्य बनाए गए हैं ।

शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय के भाषा प्रभाग के प्रभारी प्रभागध्यक्ष बोर्ड के पदेन सदस्य सचिव होंगे ।

यदि बोर्ड में स्थापन, मृत्यु, इत्यादि के कारण कोई रिक्त स्थान हो जाता है तो उस रिक्त स्थान में नियुक्त किया गया सदस्य दो वर्षों की बकाया अवधि के लिए उस पद पर कार्य करेगा ।

5. बैठकें: बोर्ड की वर्ष में कम से कम एक बार बैठक होगी । तथापि, बैठकें आवश्यकतानुसार किसी भी समय बुलाई जा सकती हैं ।

6. सचिवालय: उर्बू की प्रीति में संबंधित व्यक्तियों बोर्ड के सचिवालय के रूप में कार्य करेंगे ।

7. विषय नामिकाएँ/कार्य दल/उप समितियाँ बोर्ड को अपने कार्यों-करण के संबंध में आवश्यकतानुसार विषय नामिकाएँ, कार्य दल/उप समितियाँ गठित करने के अधिकार होंगे ।

8. स्थायी समिति: बोर्ड एक संकल्प द्वारा, अपने कार्यों के शीघ्र निष्पादन के उद्देश्य से एक स्थायी समिति का गठन कर सकता है जिसके अध्यक्ष बोर्ड के अध्यक्ष होंगे । स्थायी समिति के सदस्य बोर्ड के सदस्यों में से लिए जाएंगे । तथापि बोर्ड और समिति को विशिष्ट आवश्यकताओं के लिए समिति में विशेषज्ञों को सहयोगित करने का अधिकार होगा ।

स्थायी समिति की बैठकें बोर्ड द्वारा निर्धारित समय का अनुसार होंगी ।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रतियाँ तत्तत्-उर्बू बोर्ड के सभी सदस्यों सलाहकार, वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली आयोग, अध्यक्ष विश्वविद्यालय, अनुदान आयोग, महानिदेशक, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद्, निदेशक, केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान, निदेशक,

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान तथा प्रशिक्षण परिषद्, सभी कुलपतियों, अध्यक्ष, वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली आयोग, प्रधान मंत्री कार्यालय, समन्वय कार्य विभाग लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, योजना आयोग, राष्ट्रपति सचिवालय तथा भारत सरकार के मंत्रालयों और विभागों को भेज दी जाए ।

यह भी आदेश दिया जाता है कि सूचना लिए यह संकल्प भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए ।

केवल कृष्ण सेठी, निदेशक ।

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

नई दिल्ली दिनांक 2 अप्रैल 1979

संकल्प

सं० ई०-11011/10/75-हिन्दी—भारत सरकार ने श्री आम मेहता मंगल सदस्य (राज्य सभा) तथा श्री इडुआडे फैलीरो समद सदस्य (लोक सभा) को भी इस मंत्रालय के 18 मई, 1978 के संकल्प सं० ई०/11011/10/75-हिन्दी के अधीन गठित पर्यटन और नागर विमानन हिन्दी सलाहकार समिति के सदस्य नियुक्त करने का निर्णय किया है ।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रतिलिपि सभी राज्य सरकारों तथा संघ शासित प्रदेशों के प्रशासना, प्रधान मंत्री सचिवालय, मंत्रिमंडल सचिवालय; योजना आयोग; राष्ट्रपति सचिवालय; नियंत्रक तथा महा लेखा परीक्षक, केन्द्रीय राजस्व के महालेखाकार; लोक सभा सचिवालय; राज्य सभा सचिवालय; तथा भारत सरकार के समस्त मंत्रालयों और विभागों को भेजी जाए ।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प का जन माध्याम की सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए ।

गोपाल चतुर्वेदी, उप सचिव

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल 1979

संकल्प

सं० ई० 11011/25/73-प्रशासन-1/हिन्दी—भारत सरकार ने इस मंत्रालय के 26 सितम्बर, 1978 के संकल्प सं० ई० 11011/25/73-प्रशासन-1/हिन्दी के अधीन पुनर्गठित सूचना और प्रसारण हिन्दी समिति में सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री की समिति का उपाध्यक्ष तथा श्री बी० मत्तनारायण रेड्डी और डा० मलिक मोहम्मद को सदस्य के रूप में नियुक्त करने का निर्णय किया है ।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति सभी राज्य सरकारों और संघ प्रशासित क्षेत्रों के प्रशासकों भारत सरकार के सभी मंत्रालयों एवं विभागों राष्ट्रपति सचिवालय, प्रधान मंत्री कार्यालय मंत्रिमंडल सचिवालय, संसदीय कार्य विभाग, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, योजना आयोग; नियंत्रक और महालेखा परीक्षक; महालेखाकार; केन्द्रीय राजस्व और महानियंत्रक को भेज दी जाए ।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को सर्वमाध्याम की जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए ।

प्र० ८० शर्मा, सयुक्त सचिव

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल 1979

सं० ब्यू०-16011/1/79-इस्यू० ई०—चूंकि 25 दिसम्बर 1971 के राजपत्र के भाग 1, खंड 1 से प्रकाशित श्रम और पुनर्वास मंत्रालय की अधिसूचना संख्या ब्यू०-16011/4/71-इस्यू० ई० तारीख 3 दिसम्बर 1971 से अधिसूचित केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड में श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधियों के गठन में परिवर्तन किया गया है, इसलिए जनता की सूचना के लिए एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त बोर्ड के नियमों और विनियमों के नियम 4 (iv) के अनुसार श्री एम० एल० परावकर, मंत्री, राष्ट्रीय मिल मजदूर संघ, बम्बई केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड में श्री एस० एल० पासी के स्थान पर, श्रमिक संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य होंगे।

2. तदनुसार 20 दिसम्बर, 1958/29 अग्रहायण, 1880 के भारत के राजपत्र के भाग 1, खंड 1 में प्रकाशित श्रम और रोजगार मंत्रालय की

समय-समय पर यथा-संशोधित अधिसूचना संख्या ई० एंड पी०-4/(24)/58, तारीख 12 दिसम्बर, 1958 में निम्नलिखित परिवर्तन किया जाए :—

वर्तमान निम्नलिखित प्रविष्टि :—

“15. श्री एस० एल० पासी
निदेशक,
घातु श्रमिक ट्रेड यूनियन कांग्रेस
फार्म एरिया, कलेमा,
जमशेदपुर।

के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाए :—

“15. श्री एम० एल० परावकर,
मंत्री,
राष्ट्रीय मिल मजदूर संघ,
“मजदूर मजिल”
जी० डी० अम्बेडकर मार्ग,
परेल
बम्बई-400012।

अशोक नारायण, उप सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

NOTIFICATION

New Delhi, the 25th April 1979

No. 18-Pres./79.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Assam Police :—

Name and Rank of the Officer

Shri Ramdeo Singh, (Deceased)
Lance Naik,
Sibsagar D.E.F.,
Jorhat,
Assam.

Statement of Services for which the decoration has been awarded

On 7th August, 1977, information was received at the Merapani outpost that about 100 extremists, armed with daos/lathis and guns had gone to village dibongnadi of Police Station Golaghat and had set some of the houses on fire. The outpost incharge rushed to the village with a police party of five. Lance Naik Ramdeo Singh was also a member of the police party. The police party conducted an inquiry into the incident and was about to return when it was surrounded by the extremists who were armed with lethal weapons and were about 100 in number. The police party directed the extremists not to create any disturbance and to leave the village, whereupon they opened fire on the police party hitting Shri Ramdeo Singh. Despite being injured, he opened fire from his rifle in self-defence and thereby managed to disperse the violent extremists who fled away. Shri Ramdeo Singh later succumbed to his injuries on way back to the out-post.

In this encounter Shri Ramdeo Singh exhibited courage and devotion to duty of a high order.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 7th August, 1977.

No. 19-Pres./79.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Karnataka Railway Police :—

Name and Rank of the Officer

Shri Dewang Chandrasekhar Valavi, (Deceased)
Sub-Inspector,
Railway Police,
Hubli,
Karnataka.

Statement of Services for which the decoration has been awarded

On the 8th January, 1977, theft of a suit-case was reported to Shri Dewang Chandrasekhar Valavi and another Sub-Inspector Shri K. S. Adi. They were checking trains at Hubli railway station and apprehended a person moving about in suspicious circumstances who was found in possession of the stolen suit-case. He was, therefore, being taken away by Shri Valavi to the railway police station when at about 9.10 P.M. the culprit all of a sudden whipped out a knife and stabbed Shri Valavi in his abdomen and left shoulder. Notwithstanding this sudden attack, Shri Valavi held on to the culprit and tried to rush him out to the Railway Police Station, but on account of the pain and profuse bleeding he staggered and the culprit managed to shake off the grip and made good his escape. Shri Valavi later succumbed to his injuries in the hospital.

Shri Dewang Chandrasekhar Valavi exhibited devotion to duty in holding the culprit and sacrificed his life while discharging his duty.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 8th January, 1977.

No. 20-Pres./79.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the West Bengal Police :—

Name and Rank of the Officer

Shri Pranab Kumar Ash,
Sub-Inspector of Police,
Purulia,
West Bengal.

Statement of Services for which the decoration has been awarded

On 3rd September, 1976, Shri Pranab Kumar Ash, Sub-Inspector, in-charge of Balitora Camp, district Purulia, re-

ceived secret information that Shiba Char, a notorious and veteran wagon breaker, dacoit and murderer, had taken shelter in a house in village Patmohana under Police Station Hlrapur, district Burdwan. The Sub-Inspector together with a police party went to the village and laid an ambush, blocking all the routes of escape. On learning about the presence of the police party, the notorious dacoit Shiba Char and his associates tried to flee away by setting a hut on fire and also opening fire at the police party. As a result of the firing, one Constable was hit by a bullet in his eye-brow and a villager also received bullet injury. Despite repeated warning by the Sub-Inspector, the dacoits continued to fire in a bid to escape. The police returned the fire in self-defence and Shri Ash himself fired four rounds from his revolver and two rounds were also fired by his Constables. One of the miscreants was injured and was caught with a loaded pipe gun. The other miscreants, including Shiba Char, however, managed to escape, despite injuries received by them. On search of the house burnt down by them two pipe guns were also recovered.

In this encounter Shri Pranab Kumar Ash exhibited deep sense of devotion to duty and courage.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 3rd September, 1976.

No. 21-Pres./79.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Gujarat Police :—

Name and Rank of the Officer

Shri Daulat Garbad Patil,
Unarmed Police Constable,
Vadodara City,
Gujarat.

Statement of Services for which the decoration has been awarded

On the night of 12th February, 1976 Constable Daulat Garbad Patil was deputed for night patrol duty with another Constable. At about 2.00 A.M. spotted a person moving in suspicious circumstances and accosted him but the stranger tried to run away. Shri Daulat chased him on his bicycle and the other Constable tried to prevent the escape by going round from another route. Shri Daulat caught hold of the stranger and tried to overpower him but he whipped out a long sharp dagger and stabbed Constable Daulat in his abdomen. He did not lose his grip and shouted for help at which the other Constable, Nanubhai, and some residents of the area ran to his help. Constable Nanubhai also received some injuries in the scuffle. Constable Daulat was immediately taken to hospital where an emergency operation lasting 3½ hours was performed and his life could be saved. On interrogation it was found that the assailant was none but a dangerous criminal who had 15 previous convictions for robbery, burglary, thefts, escaping from legal custody etc.

Constable Daulat Garbad Patil displayed exemplary dedication to duty despite the danger involved to his life.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 12th February, 1976.

No. 22-Pres./79.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Manipur Police :—

Name and Rank of the Officer

Shri N. Natum Singh,
Sub-Inspector of Police,
Officer-in-Charge,
Waikhong Police Station,
Central District,
Manipur.

Statement of Services for which the decoration has been awarded

Shri N. Natum Singh, Station House Officer-in-charge Waikhong Police Station, received reliable information that some insurgents were likely to pass through his area while going to Burma. He, therefore, visited various tribal villages at odd times in plain clothes to collect information about insurgents. On the 25th July, 1977, at about 5.00 P.M. when Shri Natum Singh was returning to the police station from village Pangantabi on a scooter, he spotted three tribal youths moving under suspicious circumstances. He immediately challenged them. One of the culprits immediately opened fire on the Sub-Inspector. Due to his presence of mind Shri Natum Singh saved himself and took position and returned the fire. He managed to hit one of the culprits in the leg. On seeing this the other two took to their heels. He pounced upon the injured culprit and captured a loaded .45 revolver with 15 rounds of ammunition.

Shri N. Natum Singh displayed exceptional gallantry and captured the accused and his weapon at a great personal risk and set a healthy example to other police officers.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 25th July, 1977.

K. R. GUPTA
Deputy Secretary to the President

MINISTRY OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE
(DEPARTMENT OF EDUCATION)

New Delhi, the 10th November 1978

RESOLUTION

Subject.—Reconstitution of the Taraqqi Urdu Board.

No. F. 15-43/77-D. III(L).—The Taraqqi Urdu Board was set up as a Central Board in 1969 by Government Resolution No. F. 6-41/69-IL I. The Board was reconstituted into a Standing Central Advisory Board by Government Resolution No. F.F. 15-46/73-L I dated the 3rd January, 1974. The Board has been functioning now for more than nine years. In the light of the experience gained and on the analogy of other language institutions, the Government, in supersession of the two Resolutions mentioned above, do hereby reconstitute the Standing Central Advisory Board. The Board will continue to be called the Taraqqi Urdu Board.

2. *Objectives.*—Since economic or social progress requires that knowledge in the modern sense of the term be made available to people in the language they speak at home, the Board would be required to advise Government on the best manner of making available in Urdu, to the Urdu-knowing public, knowledge of scientific and technological matters as well as knowledge of ideas evolved in the modern context.

The Board will, *inter-alia*, include among its members eminent Urdu knowing scholars. Advantage of their presence on the Board will be taken by Government to obtain the Board's advice on such educational matters as may be referred to it.

3. *Functions.*—The functions of the Board will be :—

(a) to advise Government on :

- (i) production of academic literature as well as other types of literature in Urdu, including books on science and other branches of modern knowledge, children's literature, reference works, encyclopaedias, basic texts, etc.; and
- (ii) such educational matters, concerning the promotion of Urdu, as may be referred to it; and

(b) to undertake such other functions for the promotion of Urdu as may be assigned to it by Government from time to time.

4. *Composition*.—The Taragqi Urdu Board shall consist of the following :—

- (i) *Chairman*.—Minister of State, Ministry of Education and Social Welfare, Ex-officio.
- (ii) *Vice-Chairman*.—To be nominated by Government of India.
- (iii) Six Urdu scholars from different subject faculties.
- (iv) Two scholars from Urdu Language and Literature.
- (v) One scholar from Urdu Literature for Children.
- (vi) Nominee of Chairman, University Grants Commission.
- (vii) Director, National Council of Educational Research and Training.
- (viii) Adviser, Commission for Scientific and Technical Terminology.
- (ix) Nominee of Director General, Council of Scientific and Industrial Research (not below the rank of Deputy Secretary).
- (x) Financial Adviser.
- (xi) Two representatives of the State Governments from States where Urdu is spoken by a substantial number of persons, the States to be chosen by the Government of India by rotation.
- (xii) Director, Central Institute of Indian Languages.
- (xiii) Joint Educational Adviser (L).
- (xiv) Director/Deputy Secretary/Deputy Educational Adviser (Languages) —*Member Secretary*

The tenure of the members of the Board shall be two years.

The Vice-Chairman and the members of the Board shall be nominated by the Government.

The Adviser, Commission for Scientific and Technical Terminology, Director, National Council of Educational Research and Training, Nominee of Chairman, University Grants Commission, Director, Central Institute of Indian Languages and Nominee of Director General, Council of Scientific and Industrial Research will be members of the Board ex-officio.

The ex-officio members shall continue as members so long as they hold office by virtue of which they are members of the Board.

The Divisional Head in the Ministry of Education and Social Welfare in charge of the Languages Division will be the Member-Secretary of the Board ex-officio.

If a vacancy arises on the Board due to resignation, death, etc., of a member of the Board, the member appointed in that vacancy shall hold office for the residual period of the tenure of two years.

5. *Meetings*.—The Board shall meet not less than once in a year. Meetings may, however, be convened at any time as may be deemed necessary.

6. *Secretariat*.—The Bureau for Promotion of Urdu shall function as the secretariat of the Board.

7. *Subject Panels/Working Groups/Sub-Committees*.—The Board shall have powers to constitute subject Panels, Working Groups/Sub-Committees, as necessary, in connection with the discharge of its functions.

8. *Standing Committee*.—The Board may, by resolution, constitute a Standing Committee, headed by the Chairman of the Board, with a view to expeditious discharge of its functions. The members of the Standing Committee shall be drawn from among the members of the Board. However, the Board and the Committee shall have the power to co-opt to the latter experts to fulfil specific needs.

The Standing Committee will meet as often as may be specified by the Board.

ORDER

ORDERED that copies of the Resolution be communicated to all members of the Taragqi Urdu Board; Adviser, Commission for Scientific and Technical Terminology, Chairman, University Grants Commission, Director-General, Council of Scientific and Industrial Research, Director, Central Institute of Indian Languages, Director, National Council of Educational Research and Training, All Vice-Chancellors; Chairman, Standing Commission for Scientific and Technical Terminology; Prime Minister's Secretariat; Department of Parliamentary Affairs; Lok Sabha Secretariat; Rajya Sabha Secretariat; Planning Commission, President's Secretariat and Ministries and Departments of the Government of India.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for information.

K. K. SETHI
Director

MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION

New Delhi-110001, the 2nd April 1979

RESOLUTION

No. E-11011/10/75-Hindi.—The Government of India have decided to appoint Shri Om Mehta, M.P. (Rajya Sabha) and Shri Eduardo Faleiro, M.P. (Lok Sabha) also as members of the Paryatan Aur Nagar Vimanan Hindi Salahkar Samiti constituted vide this Ministry's Resolution No. E-11011/10/75-Hindi, dated 18th May, 1978.

ORDER

ORDERED that copy of this Resolution be communicated to all State Governments and Union Territory Administrations; Prime Minister's Secretariat; Cabinet Secretariat; Planning Commission; President's Secretariat; Comptroller and Auditor General; Accountant General, Central Revenues; Lok Sabha Secretariat; Rajya Sabha Secretariat; and all the Ministries and Departments of the Government of India.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

GOPAL CHATURVEDI
Dy. Secy.

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi, the 16th April 1979

RESOLUTION

No. E-11011/25/73-Admn. I/Hindi.—The Government of India have decided to appoint the Minister of State for the Ministry of Information and Broadcasting Vice-Chairman, Shri B. Satyanarayan Reddy M.P. Rajya Sabha and Dr. M. Malik Mahomad as members of the Soochana Aur Prasaran Hindi Samiti reconstituted vide this Ministry's Resolution No. E-11011/25/73-Admn. I/Hindi, dated the 26th Sept., 1979.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to all State Governments and Union Territories Administrations, all Ministries and Departments of the Government of

India, President's Secretariat Prime Minister's Office, Cabinet Secretariat, Deptt. of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Sectt., Rajya Sabha Sectt., Planning Commission, Comptroller and Auditor General, Accountant General Central Revenues and Controller General of Accounts.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

A. U. SHARMA,
Jt. Secy.

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 11th April 1979

No. Q-16011/1/79-WE.—Whereas there has been a change in the composition of persons representing Workers' Organisations on the Central Board for Workers' Education notified in the Ministry of Labour and Rehabilitation Notification No. Q-16011/4/71-WE, dated the 3rd December, 1971 published in the Gazette of India Part-I Section-I dated the 25th December, 1971. It is hereby notified for the information of the public that in pursuance of Rule 4(iv) of the Rules and Regulations of the said Board, Shri M. L. Paradkar, Secretary, Rashtriya Mill Mazdoor Sangh, Bombay shall be a member representing the Workers' Organisations on the Central Board for Workers' Education in place of Shri S. L. Passey.

2. The following change shall be made accordingly in the Ministry of Labour and Employment Notification No. E&P-4-(24)/58 dated the 12th December, 1958, published in the Gazette of India Part-I Section-I dated the December 20, 1958/Agrahayana 29, 1880, as amended from time to time,

For the existing entry :

"15. Shri S. L. Passey,
Director,
Metal Workers' Trade Union
College, Farm Area,
Kadama,
Jamshedpur."

Substitute :

"15. Shri M. L. Paradkar,
Secretary,
Rashtriya Mill Mazdoor Sangh,
'Mazdoor Manzil',
G.D. Ambedkar Marg,
Parel, Bombay-400012.

ASHOK NARAYAN
Dy. Secy

